

IGH

December - Examination 2016

BAP/BCP/BSc.P Examination

Introduction of General Hindi

सामान्य हिन्दी का परिचय

Paper - IGH

Time : 3 Hours]

[Max. Marks :- 80

निर्देश : यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड - अ)

8 × 2 = 16

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(i) निम्न शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए -

क) मानव

ख) वकील

(ii) जो सोता है, सो खाता है

रेखांकित शब्द से किस सर्वनाम का बोध होता है?

(iii) काला घोड़ा दौड़ रहा है। उक्त वाक्य में विशेषण शब्द कौनसा है?

- (iv) क्रिया किसे कहते हैं?
- (v) निम्न शब्दों के लिंग बदलिए -
 क) अध्यापक
 ख) वर
- (vi) निम्नशब्दों के बहुवचन लिखिए -
 क) तिथि
 ख) पुस्तक
- (vii) 'आकाश' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।
- (viii) निम्न लिखित शब्दों के विलोम अर्थ लिखिए -
 क) हिंसा
 ख) यश

(खण्ड - ब)

4 × 8 = 32

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल कीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

- 2) विशेषण की परिभाषा बताते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।
- 3) मुहावरे और लोकोक्ति का महत्व बताइए।
- 4) निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए और उनका भेद भी लिखिए।
 - (i) अत्यधिक
 - (ii) रमेश
 - (iii) विद्यालय
 - (iv) मतैक्य

- (v) गजानन
- (vi) मतानुसार
- (vii) महर्षि
- (viii) पित्राज्ञा

5) निम्न अनुच्छेद पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्यार्य हैं। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुतः जीवन को प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभरकर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन हैं। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में समाधान के उपाय सोचे। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधा रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

- | | |
|--|---|
| (i) समस्याएँ जीवन का कैसा मार्ग प्रशस्त करती हैं? | 1 |
| (ii) मानव धर्म के प्रतिकूल क्या है? | 2 |
| (iii) पुराणों में निहित कथाएँ हमें क्या शिक्षा देती हैं? | 1 |

- (iv) शत्रुओं पर विजय हमें कैसे प्राप्त हो सकती है? 2
- (v) क) प्रत्येक समस्या अपने साथ लेकर आती है। 1
 ख) प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में निहित रहती है। 1

6) निम्न गद्यांश का शीर्षक सहित संक्षेपण कीजिए।

मूड बिगड़ना एक स्वाभाविक घटना है जो हर व्यक्ति को होती है और हो सकती है। विपरीत परिस्थितियों में मन का शान्त रहना संभव नहीं है। बड़े-बड़े धीर-वीर और शांत प्रकृति वाले व्यक्ति भी प्रतिकूल घटनाओं में कभी-कभी मानसिक संतुलन खो बैठते हैं। यह नैसर्गिक है कि किसी भी अप्रिय अरुचिकर परिस्थिति में हमारा मन न लगे, मिजाज नाशाद हो जावे या मूड बिगड़ जावे। किन्तु आजकल युवक-युवतियों का मूड बात-बात में बिगड़ जाता है। आज का युवक समाज तुनक मिजाजी या अस्थिर-चितता से भयंकर रूप से ग्रसित है। बात-बात पर तुनक उठना उनका स्वभाव सा बन गया है। इस तुनक मिजाजी या क्षणिक बुद्धि के कई कारण हैं जिनमें प्रमुख हैं शारीरिक दुर्बलता तथा अहंकार की अनावश्यक वृद्धि। झूठे प्रदर्शनों और व्यसनों ने भी हमारे देश का स्वास्थ्य गिरा दिया है। आज आपको ऐसे कितने युवक मिलेंगे जिनके मुख से तेज बरस रहा हो, जो सुस्वास्थ्य के उदाहरण कहे जा सकते हों? कमर-तोड़ महंगाई, गिरता हुआ जीवन स्तर, चाय तथा अन्य उत्तेजक पदार्थों का सेवन, धूम्रपान की वृद्धि एवं अन्य आत्मघाती कुटवों के कारण हमारा वर्तमान युवक समाज शारीरिक एवं मानसिक दुर्बलता से ग्रसित है। परिणामस्वरूप हम दुर्बल और अशक्त व्यक्तियों से शान्ति तथा धैर्य की आशा नहीं रख सकते हैं। बात-बात में उनका तुनक उठना और उनके मूड का बिगड़ जाना स्वाभाविक है।

- 7) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए -
 क) घी के दिए जलाना
 ख) छक्के घुड़ाना
 ग) जान पर खेलना
 घ) कलेजे का टुकड़ा होना
- 8) 'चरित्र निर्माण' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती ? समझाइए।
- 9) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

नर हो न निराश करो मन को।
 कुछ काम करो, कुछ काम करो।
 जग में रहकर कुछ नाम करो।
 यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो.
 समझो, जिससे यह व्यर्थ न हो।
 कुछ तो उपयुक्त करो तन को..
 नर हो न निराश करो मन को॥
 समझो कि सुयोग न जाय चला.
 कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला।
 समझो जग को न निरा सपना,
 पथ आप प्रशस्त करो अपना।
 अखिलेश्वर हैं अवलंबन को।
 नर हो न निराश करो मन को।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं दो के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

- 10) 'बूढ़ी कहानी' का कहानी के तत्वों के आधार पर वर्णन कीजिए।
- 11) समास की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।
- 12) निम्नलिखित पत्र लिखिए। (प्रत्येक 8 अंका का)
 - क) छात्रवृत्ति चाहने हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रार्थना पत्र।
 - ख) अपने मित्र को अच्छे नम्बर से उत्तीर्ण होने पर बधाई-पत्र।
- 13) निम्न में से किन्हीं दो पर अनुच्छेद लिखिए। (प्रत्येक 8 अंक का)
 - क) दीपावली
 - ख) भ्रष्टाचार-निवारण
 - ग) मेरा प्रिय शिक्षक
 - घ) अनुशासन
